आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :494 पृष्ठ –4 दिनांक 03 जून 2025 दिन मंगलवार

बकरीद को लेकर लखनऊ में एडवाइजरी जारी, इन नियमों का करना होगा पालन

लखनऊ लखनऊ में इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने ईद–उल–अजहा (बकरीद) के लिए 12 बिंदुओं की एडवाइजरी जारी की है। देशभर में 7 जून 2025 को बकरीद मनाई जाएगी। इस्लामिक सेंटर के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि केवल उन जानवरों की कुर्बानी करें, जिन पर कानूनी प्रतिबंध नहीं है।7, 8 और 9 जून को होगी कुर्बानीउईदगाह के इमाम मौलाना फरंगी महली ने बताया कि कुर्बानी पैगंबर इब्राहिम और इस्माइल की सुन्नत है, न कि कोई रिवाज। यह एक महत्वपूर्ण इबादत है, और आर्थिक रूप से सक्षम लोगों को इसे जरूर करना चाहिए। इस साल कुर्बानी 7, 8 और 9 जून को की जा सकती है। कुर्बानी के दौरान कानूनी नियमों का पालन करना अनिवार्य है।खुले में कुर्बानी न करें, सोशल मीडिया पर तस्वीरें न डालेंमौलाना ने

सलाह दी कि केवल उन जानवरों की कुर्बानी करें, जिन पर कानूनी रोक नहीं है। कुर्बानी के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। सार्वजनिक स्थानों, खुले में या सड़कों पर कुर्बानी न करें। इसके लिए निर्धारित स्लॉटर हाउस या घर के अंदर का उपयोग करें। कुर्बानी की तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया पर साझा न करें।अपशिष्ट को सड़कों पर न फेंकेंएडवाइजरी में कहा गया है कि कुर्बानी के बाद जानवरों के अवशेष सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर न फेंके जाएं। इन्हें नगर निगम के कूड़ेदान में डालें। मौलाना ने कहा कि कुर्बानी के समय दूसरों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें। त्योहार का मतलब अपनी खुशी के साथ दूसरों की सुविधा का ध्यान रखना है।खून को नालियों में न बहाएंमौलाना ने बताया कि कुर्बानी के जानवरों का खून नालियों में बहाना धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उचित नहीं है। इसे मिट्टी में दफन करना चाहिए। मांस को ठीक से पैक करके बांटें और खुले में न ले जाएं। कुर्बानी के गोश्त का एक–तिहाई हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों में बांटना चाहिए।सेना और देश के लिए दुआ की अपील मौलाना ने बकरीद की नमाज में सेना के जवानों, देश की तरक्की और फलस्तीन के लिए दुआ करने की अपील की है। साथ ही कहा कि यह एडवाइजरी सभी को एक जिम्मेदार और संवेदनशील तरीके से बकरीद मनाने के लिए प्रेरित करती है।

बकरा ईद पर पशुओं की कुर्बानी के विरोध में विहिप नेता

विश्व हिंदू परिषद ने बकरीद पर होने वाली पशुओं की कुर्बानी को पशु क्रूरता से जोड़ते हुए हुए इसका विरोध शुरू कर दिया है. विश्व हिन्दू परिषद केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ राजकमल गुप्ता का कहना है कि पशुओं की कुर्बानी से सड़कों पर गंदगी फैलती है और नदियों में खून बहता है जिस से पर्यावरण दूषित होता है इसलिए मुसलमान पशुओं की कुरबानी न कर सांकेतिक कुरबानी करें. उन्होंने सवाल किया की जब हिन्दू मंदिरों पर होने वाली बलि को पशु क्रूरता बता कर उस पर रोक लगा दी गयी है तो बकरा ईद पर हजारो निरीह पशुओं की कुर्बानी पर भी तो रोक लगनी चाहिए. वीएचपी नेता ने पर्यावरण प्रेमियों की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे दिवाली पर तो उपदेश देते हैं पर बकरीद पर चुप क्यों हैं? उन्होंने पूछा कि कुरान में कहां बकरे की बलि का हवाला है? वीएचपी नेता ने कहा कि यदि यह सिर्फ प्रतीकात्मक होनी चाहिए इसके लिए आखिर लाखों निरीह जानवरों की जान क्यों ली जाती है और सात्विक समाज के मन मस्तिष्क को खराब क्यों किया जाता है? विहिप नेता ने कहा कि दिवाली, होली आदि हिंदू त्योहारों पर तथाकथित पर्यावरण प्रेमी, बुद्धिजीवी हिंदुओं को सांकेतिक रूप में या इको फ्रेंडली होली दिवाली मनाने का आह्वान करते हैं. किंतु एक ही दिन में करोड़ों निरीह पशुओं की क्रूर हत्या पर ये सभी कथित पर्यावरण विद् चुप्पी क्यों साध लेते हैं? इसके कारण पूरे देश का शाकाहारी और संवेदनशील समाज गुस्से में है. विहिप नेता ने कहा की सात्विक समाज मांसाहारी नहीं है उसे बकरा ईद पर सड़कों पर खून, मांस और पशुओं के अवशेष देख कर बहुत परेशानी होती है इसलिए हमारा यह आवाहन है कि किसी निरीह जानवर की कुर्बानी न की जाये इसे प्रतीकात्मक किया जाये.उन्होंने कहा की जो हिन्दू मांसाहारी नहीं है इस में उनकी भावनाओं को ध्यान में रखना चाहिए. कुर्बानी की जो वर्तमान व्यवस्था है यह समाप्त होनी चाहिए. उन्होंने कहा की बड़े मंदिरों में होने वाली पशुओं की बली रोक दी गयी है अब वहां सिर्फ पशु के कान में छेद कर सांकेतिक बली दी जाती है तो ऐसे ही सांकेतिक कुर्बानी कर देनी चाहिए. नालियों में खून और सड़कों पर मांस पड़ा होने के कारण हम सड़कों पर नहीं निकल पाते हैं इसलिए हमारी आस्था का भी ध्यान रखा जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि पर्यावरण विद सिर्फ हिन्दुओं को अपमानित करने के लिए होली दीवाली पर पर्यावरण की बात तो करते हैं लेकिन बकरा ईद पर वह खामोश क्यूँ रहते हैं. उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद इस मामले में पूरे तरीके से जागरूकता अभियान चलाएगा और जो गलत काम है उसका हम विरोध करेंगे. न्यायपालिका को भी इसका संज्ञान लेना चाहिए.

यूपी के इस इलाके में 514 करोड़ खर्च कर बनेगा लिंक एक्सप्रेसवे, 18 महीने में होगा तैयार

उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेसवे प्रदेश बनाने की दिशा में योगी सरकार एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे का खाका तैयार कर लिया है. इस योजना के मुताबिक, चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण 18 महीने में पूरा किया जाएगा. इस पर 514 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत आएगी. एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 15.175 किलोमीटर होगी. इसे फोरलेन के रूप में बनाया जाएगा, जिसे बाद में 6 लेन तक बढ़ाया जा सकेगा.यह एक्सप्रेसवे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से चित्रकूट को जोड़ेगा. इससे चित्रकूट आने–जाने वाले तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों को काफी सहूलियत होगी. चित्रकूट को धार्मिक नगरी माना जाता है और यह उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित है. भगवान राम से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं के कारण यहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं. ऐसे में यह लिंक एक्सप्रेसवे चित्रकूट को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा. ईपीसी मोड पर होगा निर्माण, क्वॉलिटी का रहेगा विशेष ध्यानचित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) मोड पर कराया जाएगा. इसमें कैरियज वे बनाने, आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम, उन्नत लाइटिंग, लेन मार्किंग और ओवरहेड साइन्स जैसे काम होंगे. पुल, फ्लाईओवर, अंडरपास और ओवरपास के सेक्शंस भी तैयार होंगे. इसके अलावा एक्सप्रेसवे पर कर्ब मार्किंग, ट्रैफिक साइन्स, किलोमीटर बोर्ड और फेंसिंग का काम भी पूरा होगा.अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म होने के बाद क्या है आगे का प्लान? ओम प्रकाश राजभर का बड़ा बयानएक्सप्रेसवे की क्वॉलिटी सुनिश्चित करने के लिए यूपीडा ने क्वॉलिटी कंट्रोल मैकेनिज्म लागू किया है. इससे निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी होगी. निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी कई स्तरों पर जांची जाएगी. निर्माण के लिए मास्टर प्लान, डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं को जुलाई से शुरू करने की तैयारी की जा रही है.120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकेंगे वाहनचित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे को इस तरह बनाया जाएगा कि वाहन 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आसानी से चल सकें. एक्सप्रेसवे पर 40 मीटर चौड़ा कैरियज वे होगा. इसके अलावा, 3.75 मीटर चौड़ी सर्विस रोड भी बनाई जाएगी. पुलों के पास 200 मीटर लंबी और 7 मीटर चौड़ी सर्विस रोड का निर्माण होगा. यात्रियों की सुविधा के लिए वे–साइड एमिनिटीज, टोल प्लाजा, टॉयलेट ब्लॉक्स और ट्रक पार्किंग क्षेत्र भी विकसित किए जाएंगे.

चित्रकूट का महत्व बढ़ेगायह एक्सप्रेसवे चित्रकूट के विकास में भी मददगार साबित होगा. चित्रकूट पहले से ही धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है. भगवान राम, सीता और लक्ष्मण ने अपने 14 साल के वनवास का काफी समय यहीं बिताया था. यहां कामद. गिरि पर्वत, जानकीकुंड और गुप्त गोदावरी जैसे धार्मिक स्थल हैं. एक्सप्रेसवे बनने से देश–विदेश के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को चित्रकूट पहुंचने में आसानी होगी. यह एक्सप्रेसवे न केवल तीर्थयात्रियों की यात्रा को आरामदायक बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के विकास और रोजगार सृजन में भी मदद करेगा.

यूपी पंचायत चुनाव के ऐलान से पहले बड़े बदलाव की आहट, यह कदम उठा सकती है योगी सरकार

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां जोरों पर शुरू हो गई है. इसी बीच प्रदेश सरकार जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख चुनाव की प्रक्रिया में बड़े बदलाव की तैयारी में है. सूत्रों के हवाले से खबर है कि सांसद और विधायक की तरह जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव जनता से कराने का प्रस्ताव है. इस बात का संकेत उत्तर प्रदेश के पंचायती राज्य मंत्री सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने दे दिए हैं. इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात भी कर चुके हैं. सीएम योगी के साथ मीटिंग में मंत्री ओपी राजभर ने उनके सामने प्रस्ताव रखा कि जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराने के संबंध में प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजा जाए. ओम प्रकाश राजभर का कहना है कि मुख्यमंत्री ने उनके इस प्रस्ताव पर सहमति जताई. उन्होंने कहा कि वह पिछले चुनाव में ही यह चाहते थे. अधिकारियों से इसके लिए प्रस्ताव तैयार कराने के लिए कहेंगे.इस मुलाकात के दौरान मंत्री ओम प्रकाश राजभर के साथ उनके पुत्र सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अर. विंद राजभर भी मौजूद थे. राजभर ने बताया कि वह पिछले महीने ही दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर इस विषय पर चर्चा की थी. गृहमंत्री अमित शाह ने भी जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराने पर स्वीकृति दी थी. राजभर ने कहा कि इसी कड़ी में होने मुख्यमंत्री से मिलकर अनुरोध किया है.

यूपी में आज भी पूरब से पश्चिम तक बारिश का अलर्ट, आंधी–तूफान के साथ मेघ गर्जन की चेतावनी

उत्तर प्रदेश में मौसम में उतार चढ़ाव का दौर जारी है. रविवार शाम को नोएडा–गाजियाबाद समेत कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश आई, जिससे मौसम सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली. सोमवार को भी इन इलाकों में आंधी–बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. पश्चिमी यूपी के ज्यादातर जिलों में आज तेज बारिश होने की संभावना जताई है. इस दौरान 30–50 की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं.वहीं पूर्वी यूपी के जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है. ऐसे में तेज धूप की वजह से यहां के लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा. मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी यूपी के ज्यादातर जिलों में आज बारिश होगी. इस दौरान मेघ गर्जन के साथ वज्रपात और 30–50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी.पूर्वी यूपी के कुछ जिलों में भी एक या दो स्थानों पर बारिश हो सकती है. हालांकि, यहां किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है. प्रदेश में बारिश का ये सिल. सिला 5 जून तक जारी रहेगा. इस के बाद 6 जून से मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है. मौसम विभाग की मुताबिक अगले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं आएगा. उसके बाद अगले 48 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में अचानक 2–4 डिग्री की गिरावट आएगी और फिर 3–5 डिग्री सेल्सियस तापमान में बढ़ोतरी होगी. 6 जून से भीषण गर्मी का दौर शुरू होने का अनुमान है.यूपी में आज नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, एटा, कासगंज, बदायूं, संभल, बरेली, रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर, जालौन, झांसी, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बांदा और चित्रकूट में तेज आंधी के साथ ज्यादातर जगहों पर बारिश होगी. सहारनपुर, बिजनौर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, लखीमपुरखीर, सीता. पुर, हरदोई, बहराइच, श्रावस्ती, फतेहपुर, कौशांबी, प्रतापगढ़, प्रयागराज, जौनपुर, मीरजापुर, संत रविदास नगर, वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली और सोनभद्र में एक या दो जगहों पर बारिश हो सकती है.

बदायूं नेता बनने का शौक है तो बनवारी सिंह की चौखट को करना पड़ेगा सलाम

दातागंज समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष आशीष यादव का पीडीए पंचायत को संबोधित करने के दौरान अजीब बयान सामने आया है। जिसमें वह बोल रहे हैं कि अगर बदायूं में नेता बनने का शौक है तो बनवारी सिंह की चौखट पर सलाम करना पड़ेगा। अगर नहीं करेगा तो वह मजबूर कर देंगे। जिलाध्यक्ष का यह वीडियो सोशल साइट्स पर बहुत वायरल हो रहा है। बयान को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वीडियो दातागंज क्षेत्र की पीडीए पंचायत का बताया जा रहा है।सपा सरकार में कद्दावर नेता और मंत्री रहे स्व. बनवारी सिंह यादव सपा मुखिया नेताजी मुलायम सिंह के खास रहे थे। जिसके चलते बनवारी सिंह यादव को मिनी मुख्यमंत्री तक कहा जाता था। बनवारी सिंह यादव के बेटे पूर्व विधायक आशीष यादव समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष हैं। वह पीडीए की एक पंचायत को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं तो मंचों पर कह देता हूं। कोई कितना बड़ा नेता ले आओ। बदायूं में अगर उसे नेता बनने का शौक है तो बनवारी सिंह की चौखट को सलाम जरूर करेगा। और नहीं करेगा तो मैं मजबूर करुंगा कि वो करेगा। उसे करना पड़ेगा। क्योंकि मेरी ताकत है। जिलाध्यक्ष का वीडियो वायरल होने के साथ पार्टी के नेताओं में भी खासी चर्चा है। बदायूं में सांसद बाहर से आए नेता ही बने हैं। जिसकी वजह से बयान को लेकर तरह–तरह की बातें चल रही हैं।

प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की सगाई की तारीख पक्की, इकरा हसन ने इस अंदाज में दी बधाई

भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे रिंकू सिंह की शादी जौनपुर की मछलीशहर लो. कसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद प्रिया सरोज से तय हो गई है और दोनों की रिंग सेरेमनी (सगाई की रस्म) आठ जून को लखनऊ में होगी.प्रिया सरोज के पिता और जौनपुर के केराकत विधानसभा सीट से सपा विधायक तूफानी सरोज ने रविवार को इस रिश्ते की पुष्टि की. रिंकू और प्रिया सरोज की सगाई और शादी की सूचना पर कैराना से सांसद इकरा हसन ने प्रतिक्रिया दी है. सपा सांसद ने दोनों को बधाई दी है. सोशल मीडिया साइट एक्स पर इकरा ने लिखा– लोकसभा में साथी सांसद प्रिया सरोज व क्रिकेटर रिंकू सिंह को बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं.उन्होंने बताया कि रिंग सेरेमनी में परिवार के सदस्य करीबी मित्र और रिश्तेदार शामिल होंगे. शादी परंपरागत तरीके से इसी साल 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी. इस शादी समारोह में क्रिकेट जगत के सितारे, बॉलीवुड हस्तियां, उद्योगपति और प्रमुख राजनेताओं को आमंत्रित करने की तैयारी चल रही है. उन्होंने बताया कि अलीगढ़ में रिंकू सिंह के परिजनों से मुलाकात के बाद दोनों परिवारों की सहमति से यह रिश्ता तय हुआ.तूफानी सरोज ने कहा, ' रिंकू और प्रिया एक–दूसरे को पहले से जानते हैं. प्रिया की सहेली के पिता (जो एक क्रिकेटर हैं) के माध्यम से दोनों की मुलाकात हुई थी. दोनों ने परिजनों की रजामंदी से शादी का फैसला लिया.श्पेशे से अधिवक्ता 26 साल की प्रिया सरोज पहली बार सांसद बनी हैं. 27 साल के रिंकू सिंह ने भारत के लिए दो एकदिवसीय और 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है. आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले रिंकू इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हैं.सपा विधायक के करीबियों के अनुसार, शादी पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ होगी. दोनों ने एक–दूसरे को समझने के लिए पर्याप्त समय लिया और अब एक नयी शुरुआत के लिए तैयार हैं.

यूपी में बने ईंधन से उड़ान भरेंगे विमान, करोड़ों किसानों को होगा फायदा, जानें– आप कैसे उठाएं लाभ?

उत्तर प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक नई पहल शुरू होने जा रही है. सरकार ने ऐलान किया है कि अब गन्ने की खोई, धान की भूसी और गेहूं के भूसे से हवाई जहाज का ईंधन बनाने के लिए उद्योग लगाए जाएंगे. इस योजना से करीब ढाई करोड़ किसानों को सीधा फायदा होगा. दरअसल, इन कचरे जैसे कृषि अपशिष्ट को बेचकर किसान अच्छी कमाई कर सकेंगे. यह ईंधन बायो जेट फ्यूल (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल या एसएएफ) कहलाता है, जो पेट्रोल–डीजल के मुकाबले ज्यादा पर्यावरण अनुकूल माना जाता है. इस विषय पर इन्वेस्ट यूपी ने होटल ताज में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई. इस गोलमेज बैठक में "यूपी सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल विनिर्माण प्रोत्साहन नीति–2025" को पेश किया गया. बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने की. इसमें प्रमुख निवेशक, उद्योग. पति और नीति विशेषज्ञ शामिल हुए. सबने इस नई नीति पर विचार–विमर्श किया और अपने सुझाव भी दिए. अधिकारियों ने बताया कि यह नीति देश में अपनी तरह की पहली नीति होगी.मुख्य सचिव ने बताया कि इस नीति के लागू होने से किसानों को सीधा फायदा मिलेगा. गन्ने की खोई, धान की भूसी, गेहूं का भूसा और अधिशेष अनाज की खपत बढ़ेगी. इन कृ षि अपशिष्टों को उद्योग सीधे किसानों से खरीदेंगे. इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और किसानों को उनकी फसल का बेहतर दाम मिल सकेगा.सरकार का मानना है कि इस पहल से न सिर्फ हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी. इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद ने बताया कि इस बैठक में जमीन की उपलब्धता, नीति बनाने की प्रक्रिया और व्यापार करने में आसानी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई. निवेशकों ने भी कुछ सुझाव दिए,

जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड रूम के बाहर मरीजों की भीड़ 10 दिन बाद शुरू हुई सेवा, मरीजों में धक्का-मुक्की, कुछ बिना जांच लौटे

जिला अस्पताल में एकमात्र रेडियोलॉजिस्ट डॉ. संतोष कुमार गुप्ता की वापसी के साथ आज 10 दिन बाद अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू हुई।डॉक्टर गुप्ता हाईकोर्ट में एविडेंस और अवकाश के कारण अनुपस्थित थे। अल्ट्रासाउंड शुरू होते ही अल्ट्रासाउंड रूम में मरीजों की भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सिक्योरिटी गार्ड्स को बुलाना पड़ा। वहां पर धक्का–मुक्की की स्थिति बन गई।पिछले 10 दिन से जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड नहीं हो रहे थे और मरीज वापस लौट रहे थे। मरीज को यह जानकारी हुई कि सोमवार से अल्ट्रासाउंड शुरू होंगे तो सुबह 6 बजे से ही जिला अस्पताल परिसर में मरीजों की भीड़ एकत्रित हो गई। इसके बावजूद काफी मरीज का नंबर नहीं आया।मरीज अखिलेश ने बताया कि वह सुबह से प्रतीक्षा कर रहे हैं। राकेश कुमार ने बताया कि उनके बच्चे के नवोदय विद्यालय में एडमिशन के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट मांगा गया है और बच्चे का अल्ट्रासाउंड कराने आए हैं।सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की कमी रेडियोलॉजिस्ट ने नियमित से अधिक मरीजों की जांच की। फिर भी कई मरीज बिना अल्ट्रासाउंड कराए वापस लौट गए। जिले में सरकारी चिकित्सकों और संसाधनों की कमी से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत हाथरस में परिजनों ने जताई टक्कर की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र में रामपुर पुलिया के पास एक सड़क दुर्घटना में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव महौं निवासी बृजेश के रूप में हुई है। वह साहलग में काम करता था।बृजेश बीती रात हाथरस जंक्शन से कुछ हलवाइयों को छोड़कर वापस लौट रहा था। रामपुर पुलिया के पास स्पीड ब्रेकर पर उसकी बाइक असंतुलित हो गई। बाइक से गिरने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना में बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। परिवार के लोगों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात वाहन ने बृजेश की बाइक को टक्कर मारी होगी, जिससे दुर्घटना हुई।पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बृजेश अविवाहित था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कालाबाजारी मिड डे मील के 500 बोरा चावल पकड़े, एसडीएम ने की कार्रवाई, आपूर्ति –शिक्षा विभाग करेंगे जांच

चावल का भंडारण नौगांव में निर्धारित स्थान पर न होकर बिसावर में अवैध रूप से सीएचसी के सामने एक स्थान पर किया जा रहा था। बिसावर में एक कैंटर और टाटा वाहन में चावल को लदवाया जा रहा था।सादाबाद में मिड डे मील के चावल की कालाबाजारी हो रही है। 1 जून को एसडीएम सदाबाद संजय कुमार ने गा. पनीय सूचना के आधार पर छापामार कार. वाई करते हुए दो ट्रकों में लदे करीब 500 बोरे चावल को पकड़ लिया। चावल से भरे इन ट्रकों को बिसावर चौकी की पुलिस के सुपुर्द किया गया है। इस मामले में आगे की जांच और कार्रवाई के लिए जिला आप. ूर्ति विभाग और शिक्षा विभाग को कहा गया है। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि नौगांव के राशन डीलर के यहां एनजीओ के जरिए मिड डे मील का चावल भंडारण के लिए आता है। इस चावल का भंडारण नौगांव में निर्धारित स्थान पर न होकर बिसावर में अवैध रूप से सीएचसी के सामने एक स्थान पर किया जा रहा था। बिसावर में एक कैंटर और टाटा वाहन में चावल को लदवाया जा रहा था। दोनों वाहनों में करीब 500 से अधिक चावल के बोरे लाद दिए गए थे। यह वाहन निकलने को तैयार थे, लेकिन उनके द्वारा मौके पर ही दोनों वाहनों को पकड़ लिया गया। दोनों ट्रकों व चावल के संबंध में अभिलेख मांगे गए तो कोई भी अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया जा सका। न तो लदान की कोई लिखा–पढ़ी की गई थी और न ट्रकों के नंबर का कोई रिकार्ड था। इस चावल को अवैध रूप से कालाबाजारी करने के उद्देश्य से अलीगढ़ की ओर ले जाया जा रहा था। उक्त संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी और बेसिक शिक्षा विभाग को कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। चावल के 500 से अधिक बोरों से लदे दो ट्रक बिसावर क्षेत्र से पकड़े गए हैं। राशन डीलर इनका लदान करा रहा था। दोनों वाहन चौकी बिसावर की सुपुर्दगी में दे दिये गए हैं। अब आगे की कार्रवाई आपूर्ति विभाग और शिक्षा विभाग द्वारा की जा रही है।

हाथरस में ईद उल–अजहा (बकरीद) के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित

हाथरस में ईद उल–अजहा (बकरीद) के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित की हैं। क्षेत्राधिकारी सादाबाद हिमांशु माथुर ने थाना चन्दपा और मुरसान में बैठकें लीं।क. ोतवाली नगर में प्रभारी निरीक्षक गिरीशचन्द्र गौतम तथा सहपऊ थाने में थाना प्रभारी ने बैठकों की अध्यक्षता की। बैठकों में गणमान्य व्यक्तियों और धर्मगुरुओं से त्योहार को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की गई। मुस्लिम समुदाय से नमाज धम. र्स्थलों के अंदर ही अदा करने का आग्रह किया गया। कुर्बानी के संबंध में विशेष दिशा–निर्देश दिए गए।माहौल बिगाड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई पुलिस ने लोगों से आग्रह किया कि क्षेत्र में होने वाली छोटी से छोटी घटनाओं की सूचना तुरंत दें। धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर की आवाज निर्धारित मानकों के अनुसार रखने को कहा गया। सोशल मीडिया पर विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत दी गई।संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही

है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हाथरस की सासनी कोतवाली पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया

हाथरस की सासनी कोतवाली पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नगला मिया तिराहा के आगे विजयगढ़ रोड पर किला ति. राहा से दोनों को पकड़ा। आरोपियों की पहचान मुकुल उर्फ मुनेश और अंकित सिंह उर्फ अंकित राणा के रूप में हुई है।मुकुल इगलास के बिदिरका गांव का रहने वाला है। अंकित अलीगढ़ के विजयगढ़ थाना क्षेत्र के जैतपुर गांव का निवासी है। पुलिस ने दोनों के पास से दो तमंचे 315 बोर और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इनके कब्जे से दो चोरी की बाइक भी मिली हैं। एक स्प्लेंडर प्रो और दूसरी अपाचे है। दोनों बाइक बिना नंबर की हैं।सासनी में छिपाकर रखी थी बाइकें पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दोनों दोस्त हैं। मिलकर बाइक चोरी करते हैं और अनजान लोगों को बेच देते हैं। चोरी से मिले पैसों को आपस में बराबर बांट लेते हैं। स्प्लेंडर को इगलास के हंटरबाग से चुराया था। काली अपाचे नुमाइश ग्राउंड से चोरी की थी। दोनों बाइक को सासनी पैठ बाजार में गंदे नाले के पास झाड़ियों में छिपाकर रखा था। पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है।

सादाबाद में आगरा–अलीगढ़ हाईवे पर हादसा, चालक फरार, पुलिस तलाश में जुटी

आगरा–अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गो. विंदपुर पुलिस चौकी के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौके पर ही मौत हो गई।मृतक की पहचान कोतवाली चंदपा के गांव तुरसेम निवासी 30 वर्षीय दयाशंकर के रूप में हुई है। दयाशंकर आगरा से स्कूटी पर अपने गांव लौट रहे थे। गोविंदपुर पुलिस चौकी के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल दयाशंकर को सीएचसी सादाबाद ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हा. थरस भेज दिया है।सीओ सादाबाद हिमांशु माथुर ने बताया कि कोतवाली में मामला दर्ज कर लिया गया है। अज्ञात वाहन और चालक की तलाश जारी है। मृतक अपने पीछे पत्नी को छोड़ गए हैं। परिवार में को. हराम मचा हुआ है।

हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के गांव कछपुरा में एक युवक ने गृह क्लेश के चलते आत्महत्या कर ली

हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के गांव कछपुरा में एक युवक ने गृह क्लेश के चलते आत्महत्या कर ली।मृतक की पहचान इंद्रपाल (42) पुत्र सूरजपाल के रूप में हुई है। वह चंदपा कोतवाली क्षेत्र के गांव कुम्हरई का रहने वाला था। इंद्रपाल बेलदारी का काम करता था और लंबे समय से अपनी ससुराल गांव कछपुरा में रह रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह शराब के नशे में पत्नी और बच्चों से झगड़ा कर रहा था। इससे पहले भी उसने ट्रेन के आगे लेट कर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। कल रात को भी झगड़े के बाद वह घर से निकल गया। उसने गांव के बाहर एक खेत में पेड़ पर फांसी का लगाकर उसे पर लटक कर जान दे दी।पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भिजवायाआज सुबह ग्रामीणों को पेड़ पर शव लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक अपने पीछे पांच बच्चों सहित परिवार के अन्य सदस्यों को छोड़ गया है।

अवर अभियंता जलकल के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हाथरस नगर पालिका परिषद हाथरस में ठेकेदारों से साठगांठ कर टेंडर की धरोहर राशि के लिए फर्जी एफडीआर बनाने, लगाने और उसका फर्जी सत्यापन करने के दोषी पाए गए अवर अभियंता जलकल हर्षवर्धन के खिलाफ कोतवाली हाथरस गेट में मुकदमा दर्ज कराया गया है। नगर पा. लिका हाथरस के अधिशासी अधिकारी रो. हित सिंह ने अवर अभियंता जलकल के खिलाफ हाथरस गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली हाथरस गेट में बीएनएस की धारा 318 (2), 318 (4), 336 (2), 338, 336 (3), 340 (2), 61 (2) की धाराओं में यह मुकदमा दर्ज कराया गया है। दर्ज कराई गई रिपोर्ट में लिखा है कि शिकायतकर्ता प्रशांत कौशिक द्वारा 10 मार्च को अवर अभियंता जलकल हर्षवर्धन के खिलाफ पद का दुरुपयोग करने संबंधी शिकायत की गई थी। इसमें लिखा था कि वह ठेकेदारों से साठगांठ कर स्वयं के स्तर से फर्जी एफडीआर तैयार कर टेंडर की धरोहर राशि में लगाता है। इसके सत्यापन के लिए बैंकों की नकली मोहर लगाकर फर्जी सत्यापन करता है। विभिन्न फर्मों को बिना सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त किए धरोहर राशि की एफडीआर वापस कर देता है। इस मामले में डीएम ने अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी। तीन सदस्यीय जांच कमेटी ने जांच आख्या में अवर अभियंता (जलकल) हर्षवर्धन द्वारा स्वार्थवश अनुचित लाभ पाने के उद्देश्य से यह सब करना पाया गया। निविदा पत्रावलियों में स्वयं के स्तर से साजिशन धरोहर राशि के रूप में फर्जी एफडीआर लगवाया जाना पाया गया। विभिन्न प्रतिभागी फर्मों की धरोहर राशि की एफडीआर बिना अनुमोदन के वापस देना भी पाया गया। इससे पहले वित्तीय वर्ष 2023–24 में हैंडपंप स्थापना संबंधी माप पुस्तिकाओं को बदलवाकर 5,30,586 रुपये का अधिक भुगतान कराने की अनियमितता की गई थी। उक्त मामले में अवर अभियंता हर्षवर्धन को निलंबित किया गया था। उनके विरुद्ध एफआईआर करने की संस. तुति की गई थी।

सासनी रेलवे स्टेशन पर रविवार को श्एक पेड़ मां के नामश अभियान के तहत व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया स्टेशन अधीक्षक चंद्र मोहन कुलश्रेष्ठ ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर और रेलवे कॉलोनी में कुल 105 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। स्टेशन अधीक्षक ने सभी कर्मचारियों के साथ पौधों की देखभाल की शपथ ली। उन्होंने आम नागरिकों से भी कम से कम एक पेड़ लगाने की अपील की।कुलश्रेष्ठ ने कहा कि मानव जीवन में वृक्षों का महत्व मनुष्य के बराबर है और इनके बिना जीवन संभव नहीं है। कार्यक्रम में सुनील कुमार सिन्हा, अमित देवशाली, संतोष कुमार, मनोज कुमार, विशाल कुमार, गिरीश बाबू, हीरालाल, अरविंद, कमल सिंह, राहुल, मोहन सिंह, जितेंद्र सिंह सहित अन्य रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाथरस में एआरटीओ विभाग के अधिकारियों और कर्मचारी द्वारा एक मामले में संवेदनहीनता सामने आई

हाथरस में एआरटीओ विभाग के अधिकारियों और कर्मचारी द्वारा एक मामले में संवेदनहीनता सामने आई है। राजस्थान के भरतपुर के कामां के कनवाडा के परिवार के एक सदस्य की मृत्यु के बाद परिवार के सदस्य कासगंज के सोरों के गंगा घाट पर अस्थि विसर्जन के लिए गए थे।वापसी में जब परिवार ईको गाड़ी में लौट रहा था, तब सिकंद्राराऊ रोड पर पुलिस लाइन के पास एआरटीओ विभाग के कर्मचारियों ने उनकी गाड़ी रोक ली। कर्मचारियों ने चालक से कुछ सामान और एक व्यक्ति को राया तक छोड़ने की मांग की। चालक ने उन्हें बताया कि गाड़ी में मृतक के परिजन और दो नाबालिग बच्चे सवार हैं। सभी लोग अस्थि विसर्जन कर लौट रहे हैं।घंटों एआरटीओ कार्यालय पर बैठे रहे..चालक के मना करने पर एआरटीओ कर्मचारियों ने गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया और चालान कर दिया। इसके बाद परिवार को कई घंटों तक एआरटीओ कार्यालय में बैठना पड़ा। कर्मचारियों ने अधिकारियों के न होने का हवाला देकर उन्हें टालते रहे।

सादाबाद तहसील के ग्राम पंचायत गुतहरा के मजरा बासवित्ता में ग्रामीणों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। एसडीएम सादाबाद संजय कुमार ने अन्य अधिकारियों के साथ हड़ताल स्थल का दौरा किया।एसडीएम ने 10 दिन में विकास कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया। लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। उनकी मुख्य मांग है कि गांव की आबादी के मुख्य मार्ग पर आरसीसी कार्य तत्काल शुरू किया जाए।ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में बासवित्ता से गुतहरा, शिखरा और बागपुर तक के मार्ग का निर्माण शामिल है। साथ ही करकौली आश्रम से बासवित्ता तक सड़क, गांव में नाली निर्माण, शमशान की व्यवस्था और पेयजल की समुचित व्यवस्था की मांग है। ग्रामीणों ने बरसात में जलभराव और झूलते बिजली तारों की समस्या भी एसडीएम के सामने रखी।अधिकारियों का कहना है कि बासवित्ता से नगला पचौरी और गुतहरा संपर्क मार्ग पर काम शुरू हो गया है। अन्य कार्य भी जल्द शुरू होंगे। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि कुछ कार्य आज से शुरू कर दिए गए हैं। कुछ के लिए मानकों को पूरा करने में समय लगेगा।भारतीय किसान यूनियन और प्रताप सेना ने भी ग्रामीणों के आंदोलन को समर्थन दिया है। एसडीएम ने आश्वासन दिया है कि ग्रामीणों की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारीयों द्वारा व्यापारियों का शोषण बर्दाश्त नही

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अन्तर्गत की जा रही कार्यवाही से व्यापारियों को आ रही कठिनाईयों के नि. राकरण के लिये आज कलैक्ट्रेट जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर मुख्यमंत्री उ प्र सरकार के नाम सम्बोधित ज्ञापन प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा की अगुवाई में उपस्थित उप जिलाधिकारी को दिया गया ।जिसमे मा. मुख्यमंत्री से निम्नलिखित 14 सूत्रीय मागें की गई।खेती में कीटनाशक व रासायनिक खाद डालने का मानक तय नहीं है। अंधाधुंध कीटनाशक व रासायनिक खादों का प्रयोग खेती में किया जा रहा है। सिंच. ई के लिए प्रयोग किये जाने वाला जल पूरी तरीके से दूषित हो चुका है, जिससे हमारे यहॉ के खेती से प्राप्त होने वाले खाद्ययान में रासायन व कीटनाशक भारी मात्रा में पाए जा रहे हैं, जिससे कैंसर जैसी घातक बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है। परन्तु खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के मानकों में बदलाव नहीं किया गया है। अतः आपसे अनुरोध है कि वर्तमान परिस्थिति के अनुसार खाद्यय पदार्थों के मानक तय किये जायें तथा कृषि विभाग को खेती में प्रयोग होने वाले कीटनाशक व रासायनिक खाद के मानक तय करने के लिए लिखा जाए। जब तक नए सिरे से मानक तय नहीं किये जाते हैं। व्यापारियों के सैम्पिल न भरे जाएं।सभी प्रकार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में रजिस्ट्रेशन के लिए 12 लाख तक के टर्न ओवर की सीमा तय की गई है, परन्तु 12 लाख रूपये की सीमा मंहगाई के हिसाब से बहुत कम है। अतः आपसे अनुरोध है कि 12 लाख टर्न ओवर के स्थान पर 40 लाख वार्षिक टर्न ओवर तक का काम करने वाले व्यापारियों की रजिस्ट्रेशन की सीमा में रखा जायें।खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में फूड एक्ट का लाइसेंस न पाए जाने पर सजा का प्राविधान खत्म किया जाये। जुर्माना अधिकतम रजिस्ट्रेशन व लाइसेंस फीस का दोगुना किया जाये। प्रशासनिक अधिकारी अपर जिला मजिस्ट्रेट आदि को न्याय निर्णयक अधिकारी राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किये गये हैं। प्रशासनिक अधिकारी प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त रहते हैं, जिससे न्याय निर्णय में समय लगता है। समय लगने से व्यापारी उत्पीड़न को बढ़ावा मिलता है तथा तकनीकी जानकार न होने के कारण प्रशासनिक अधिकारी मात्र अधिकतम जुर्माना वसूल करना चाहते हैं वह वाद को गुण दौषों के आधार पर तय करने की इच्छा नहीं रखते। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (फूड एक्ट) के लिये पूर्णकालिक न्याय निर्णायक अधिकारी की नियुक्ति की जानी आवश्यक है, जिससे व्यापारी को शीघ्र न्याय मिल सके। खाद्य पदार्थों की पैकिंग की आईटम में रिटेल का व्यापारी कोई मिलावट या कमी नहीं कर सकता है एवं का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में दिये गये पैकिंग एण्ड लेवलिंग एक्ट के कानूनों को पूरा करने में रिटेल व थोक के व्यापारी का कोई योगदान नहीं है। पैकिंग कम्पनियों द्वारा तैयार कर भेजी जाती है, जिसमें रिटेल का व्यापारी कोई मिलावट या पैकिंग में कोई संशोधन नहीं कर सकता है। न्याय निर्धारण अधिकारी द्वारा कम्पनियों के साथ–साथ रिटेल व थोक के व्यापारियों को भी दण्डित किया जा रहा है। अतः आपसे अनुरोध है कि पैकिंग के सामान में किसी भी प्रकार की कमी पाई जाने पर सिर्फ पैकिंग करने वाले फर्म या कम्पनी को ही दोषी माना जाए,

होलसेलर व रिटेलर को दण्डित न किया जाये। वर्तमान समय में भारी मात्रा में खाद्य पदार्थों का व्यापार ऑनलाइन फूड चेन सप्लाई व मल्टी नेशनल कम्पनियों के द्वारा किया जा रहा है, परन्तु ऑनलाइन फूड सप्लाई के डिलीवरी करने वाले व्यक्तियों के पास फूड लाइसेंस नहीं है। अतः आपसे अनुरोध है कि सभी ऑनलाइन व फूड चेन सप्लाई डिलीवरी करने वाले व्यक्यिों के खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमों के अनुसार रजिस्ट्रैशन व लाइसेंस बनवाये जाने के आदेश पारित करने की कृपा करें। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मल्टी नेशनल कम्पनी व फूड सप्लाई चेन के डिलीवरी होने वाले सामानों की सैम्पलिंग नहीं की जा रही है। अतः आपसे अनुरोध है कि ऑनलाइन फूड सप्लाई चेन की सैम्पलिंग भी नियमानुसार की जाये, जिससे आम जनता को सही सामान मिलना सुनिश्चित हो सके। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में निर्माताओं से ऑनलाइन सालाना व छमाही रिटर्न मॉगी जा रही है। निर्धारित समय पर जमा न करने पर रू0 100 प्रतिदिन लेट फीस लगाई जा रही है, जिन व्यापारियों की पूर्व में रिटर्न जमा नहीं है, उन पर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है। रिटर्न जमा करने पर पिछला मांगा जा रहा जुर्माना समाप्त करने के आदेश पारित करने की कृपा करे एवं कुटीर घरेलू व मझौले उद्योग इसकी पूर्ति न कर पाने के कारण नष्ट हो जाएंगे। अतः आपसे अनुरोध है कि 5 करोड़ तक टर्न ओवर वाले निर्माताओं से ऑनलाइन सालाना व छमाही रिटर्न की व्यवस्था समाप्त करने की कृपा करें। जानकारी के अभाव में बहुत सारे व्यापारी समय से एनुवल रिटर्न (डी–वन फार्म) नहीं जमा कर पाए हैं। ऐसे व्यापारियों से भारी जुर्माना वसूला जा रहा है। आपसे अनुरोध है कि समाधान योजना चलाकर पिछला जुर्माना माफ किया जाये तथा जुर्माने के रूप में जमा कराई गई धनराशि व्यापारी को वापित की जाए। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के सभी मामलों को अदालतों में भेजा जा रहा है। एक्ट में दी गई धारा–69 के अनुसार अधिकांश मामलों को शमन शुल्क जमा कराकर समाप्त किया जा सकता है। अधिकांश सभी विभागों में भी अनावश्यक मुकदमें आदि से बचने के लिए शमन शुल्क जमा कर मुकदमा समाप्त करने की व्यवस्था की गई है। शमन शुल्क व्यवस्था लागू करने से सरकार पर भी अनावश्यक मुकदमों के बोझ का भार कम होगा। अतः अभिहीत अधिकारी कार्यालय में शमन शुल्क जमा कराने की व्यवस्था लागू की जाए। प्रत्येक जिले में अनकों रजिस्टेशन अधिकारी हैं, जिन्हें फील्ड का काम भी करना होता है। अतः आपसे अनुरोध है कि प्रत्येक जिले में एक ही रजिस्टेशन अर्थोरिटी नियुक्त करने की कृ पा करे। रजिस्टेशन अधिकारी को फील्ड का कार्य न दिया जाए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सैम्पिल लेते समय रिटेल के व्यापारियों को लिये गये सामान का भुगतान नहीं किया जा रहा है व फार्म 5 ए भरकर मौके पर नहीं दिया जाता है, जिससे व्यापारी का उत्पीड़न हो रहा है। अतः आपसे अनुरोध है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किये जाएें कि सैम्पिल भरे जाते समय फार्म–5 पूरी तरह से भरकर व्यापारी को मौके पर उपलब्ध कराऐं तथा सैम्पिल के लिए प्राप्त किये गये सामान का भुगतान व्यापारी को करना सुनिश्चित करें।सैम्पलिंग के समय व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों को मौके पर बुलाया जाए, जिससे सही प्रकार सैम्पलिंग की कार्यवाही पूर्ण हो सके तथा व्यापारी का उत्पीड़न न हो सके तथा व्यापारी से विभाग के बिचौलियों द्वारा किसी भी प्रकार की अवैध वसूली न हो सके।सरकार द्वारा प्रत्येक खाद्य सुरक्षा अधिकारी का सैम्पिल का टारगेट निर्धारित किया गया है, जिस वजह से व्यापारी का उत्पीड़न हो रहा है। सैम्पलिंग की व्यवस्था मिलावट रोकने के लिए की जाए न्यूनतम अधिकतम सैम्पिल का टारगेट व्यवस्था समाप्त की जाए। औद्योगिक इकाइयों में केन्द्रीय लाइसेंस होने पर केन्द्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी व प्रान्तीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी दोनों विभागों द्वारा अलग–अलग जॉच, सर्वे सैम्पलिंग के अधिकार दिए गए हैं, जिससे भ्रष्टाचार व व्यापारी उत्पीड़न को बढ़ावा मिल रहा है। एक देश एक कानून एक अधिकारी एक दफ्तर की व्यवस्था को लागू किया जाए। जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा व महानगर अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह ने सभी मांगों को पूरा करने का आग्रह मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश से किया है।ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह, प्रदेश संगठन मंत्री हरिकिशन अग्रवाल, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष संगीता वार्ष्णेय, प्रदेश महिला वरिष्ठ मंत्री शर्मिला वार्ष्णेय, जिला महामंत्री एम ए खान गांधी,युवा महानगर अध्यक्ष कमल वावा,अजय लिथो, चौ वीरेंद्र सिंह, दीपक अग्रवाल, प्रदीप वर्मा, हरेंद्र सिंह, गोपाल राजपूत, विक्की चौधरी,लकी तनिष्का, हेमंत वालाजी, कुलदीप सिंह टीटू, आशु अरोरा,राहुल मित्तल, सचिन सागर, रवि सैनी, योगेश वार्ष्णेय,मनीष नीलगिरी, हनी वजाज ,रामपाल, प्रशांत, विष्णु एनके,अ. कंश वार्ष्णेय, सुमित, ललित मोहन,कन्नू वार्ष्णेय, पुनीत वार्ष्णेय आदि थे।

कोरोना ने फिर से अलीगढ़ में दी दस्तक

कोरोना ने फिर से अलीगढ़ में दस्तक दे दी है। शहर के सुरक्षा विहा इलाके से एक 30 वर्षीय युवक एंटीजन किट से जांच करने पर कोरोना संक्रमित पाया गया। संक्रमित युवक का दीनदयाल अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में उपचार चल रहा है। कोरोना मामले को लेकर सभी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया है। जून को अलीगढ़ के बन्नादेवी इलाके की सुरक्षा विहार कॉलोनी में 30 वर्षीय युवक कोरोना से संक्रमित मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक को कुछ समय से जुकाम, खांसी, सर्दी, सिरदर्द की शिकायत थी। 31 मई को आगरा रोड के एक निजी अस्पताल में युवक को दिखाया गया। अस्पताल प्रशासन को युवक के लक्षण कोरोना जैसे लगे तो उसका एंटीजन किट से जांच कराई गई। जांच में युवक कोरोना संक्रमित निकला। युवक को जेएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। मेडिकल में भर्ती करने से मना कर दिया गया। युवक को क्वार्सी के अस्पताल में भर्ती कराया। इसकी जानकारी जैसे ही स्वास्थ्य विभाग को हुई तो युवक को दीनदयाल अस्पताल के प्रथम तल पर स्थित आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया। युवक खतरे से बाहर बताया जा रहा है। आज आरटीपीसीआर की जांच होगी। युवक के घरवालों को घर में रहने को कहा गया है, साथ ही उसके मिलने –जुलने वालों की पहचान की जा रही है।

अखिल भारती करणी सेवा के तत्वाधान में सनातनियों के सम्मान में हम सभी मैदान में अलीगढ़ चलो अभियान के तहत एसपी कार्यालय पहुंचने का आह्वान किया

अखिल भारती करणी सेवा के तत्वाधान में सनातनियों के सम्मान में हम सभी मैदान में अलीगढ़ चलो अभियान के तहत एसपी कार्यालय पहुंचने का आह्वान किया गया है राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने मनोज अलीगढ़ पत्रकार के साथ हुई मारपीट की कड़े शब्दों में निंदा की और एसपी के द्वारा गुरो पर दिखाई गई रिपोर्ट और की गई अतः आवश्यक बताइए कल महिला संगठन ने भी कड़ी नाराजगी जताई और पत्रकारों में इस घटना को लेकर भयंकर आक्रोश है उन्होंने कहा अगर इस तरह की घटनाएं घटी को पत्रकार निष्पक्ष समाचार देने में सक्षम नहीं हो सकेंगे एसपी श्री संजीव सुमन ने कठोर कार्रवाई की आश्वासन दिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट 18 एजुकेशन डेवलपमेंट नर्सरी टीचर ट्रेनिंग डिप्लोमा इन जैवलिन ब्यूटीशियन आज के निशुल्क रजिस्ट्रेशन फॉर्म इंटर पास महिलाओं के लिए भर रहा है महिलाओं को आत्मा लंबी बनाओ अभियान के तहत यह कार्यक्रम चल रहा है

ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सहायकों की समस्याओं के निराकरण एवं मांग विषयक

सादर निवेदन है कि ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत सहायकों की विभिन्न व्यवस्थाओं, समस्याओं और सुझावों को लेकर बार – बार मौखिक एवं लिखित रूप से स्थानीय स्तर पर अवगत कराया गया है इसके बावजूद अभी तक किसी भी बिंदु पर ठोस व सकारात्मक कार्यवाही नहीं हो पायी हैजबकि नीचे वर्णित सभी मांगे पूर्णतः निदेशालय स्तर से शासनादेश अथवा विभागीय आदेश के माध्यम से सरलता से लागु की जा सकती है अतः अपेक्षा है कि इन मांगों गंभीरतापूर्वक विचार कर त्वरित निर्णय लिया जाये. पंचायत घर पर प्रत्येक दिन पंचायत सचिवालय की सफाई कर्मी के द्वारा साफ सफाई की जाए कुर्सी, मेज, ऑफिस, और फील्ड, सभी जगह की पंचायत सचिवालय खुलने से पहले क्योंकि सफाई कर्मी पंचायत सचिवालय की साफ सफाई नहीं करते हैं अपनी मनमानी करते हैं और उपस्थिति रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज नहीं करते हैं उनके बदले में पंचायत सहायक खुद अपने हाथ से पंचायत सचिवालय झाड़ू लगाते हैं वह कुर्सी मेज साफ करके गांव के लाभार्थी को बैठने लायक व्यवस्था बना कर रखते हैं महोदय से निवेदन है कि हमारे मान सम्मान का भी ध्यान रखाजाए पंचायत सहायकों को क्रॉप सर्वे के लिए 5 दिन का ट्रेनिंग दी जाए नक्शे के बारे में और कम से कम 50 मीटर की दूरी रखी जाए पंचायत सहायकों को गांव के नक्शे के बारे में 90ः नहीं पता है पंचायत सहायक अंदाजे से क्रॉप सर्वे करते हैं इसलिए हम पंचायत सहायकों को सरकारी प्रमाणित नक्शा दिलवाया जाए. पंचायत सचिवालय पर 99ः इंटरनेट और स्टेशनरी की समस्या बनी रहती है महोदय से निवेदन है कि पंचायत सहायकों को 1000 पर प्रतिमा इंटरनेट का पैसा और स्टेशनरी का पैसा दिलाने की कृपा करें महोदय जिला प्रशासन से पंचायत सचिव को आदेश दिया की यह कार्य के जाना है सचिव महोदय के द्वारा मगर 4 वह कार्य पंचायत सहायकों से ही कराया जाता है जबकि लिखित में आदेश सचिव, सफाई कर्मचारी, आशा, आंगनबाडी, रोजगार सेवक, के लिए होता है मगर कोई भी नियम पालन नहीं होता है वह सारा काम पंचायतसहायकों के द्वारा ही करा लिया जाता है अनऑफिशियल तरीके से जिला प्रशासन से लिखित में आदेश आए जिस व्यक्ति के कार्य के लिए है वहीं व्यक्ति अपना कार्य करें इसके लिए कड़ा कानून बनाया जाए पंचायत सहायकों से भारत सरकार के द्वारा सभी विभागों का कार्य लिया जाता है गांव के अंदर शौचालय रिट्रोफिटिंग ॉस्ड के कार्य या जिओ ट्रैकिंग करना गांव से बाहर खेतों की सर्वे करना और अन्य फोटो की मांग करना जो की एक अच्छे गुणवत्ता की मांग की जाती है जबकि पंचायत सहायकों को 6000 रुपए का मानदेय में मोबाइल अच्छी क्वालिटी का नहीं ले सकते हैं इसलिए ग्राम पंचायत निधि से हमें अन्य जिले की तरह जिलाअलीगढ़ में 5ळ मोबाइल दिलाने की कृपा करें महोदय ₹200 प्रतिदिन के हिसाब से ग्राम पंचायत पर हम मजदूरी का कार्य करते हैं हम सभी पंचायत सहायकों से सभी विभागों के कार्य न दिए जाएं अन्य कर्मचारियों को भी बांट दिए जाएं जैसे रोजगार सेवक, ग्राम सचिव, सफाई कर्मी इत्यादि. पंचायत सहायक की पहचान पत्र डिजिटल चिप बाली आईडी बनवाई जाए पंचायत सचिवालय पर इन. टरनेट की व्यवस्था की जाए. पंचायत सचिवालय की सफाई की व्यवस्था करायी जाएपंचायत सचिवलाय पर हमारे कूलर की व्यवस्था करायी जाये. पंचायत सचिवलाय पर पानी की व्यवस्था करायी जाये

अलीगढ़ के थाना सासनी गेट क्षेत्र के बलदेव विहार में जलभराव से परेशान लोगों ने सोमवार सुबह प्रदर्शन किया। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की।स्थानीय महिला सुमन के अनुसार, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत क्षेत्र की मुख्य सड़क को ऊंचा बना दिया गया है। सोसाइटी की कई सड़कें पहले से ही नीची हैं। इस कारण ऊंची सड़क और घरों का पानी नीची सड़कों पर जमा हो जाता है। जलभराव से लोग बीमार पड़ रहे हैं। कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।स्मार्ट सिटी मिशन के तहत अलीगढ़ में सैकड़ों करोड़ रुपए विकास कार्यों में खर्च किए जा चुके हैं। सीएम ग्रीड के अंतर्गत शहर की विभिन्न सड़कें बनाई जा रही हैं। कई स्थानों पर सड़कें और नाले मानकों के विपरीत बनाए गए हैं। नगर आयुक्त के निर्देशों के बावजूद यह समस्या जारी है।सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह ने कहा कि मौके पर अधिकारियों को भेजकर निरीक्षण कराया जाएगा। उन्होंने स्थानीय लोगों को जल्द समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का समाधान नहीं होता है, तो वे नगर निगम का घेराव करेंगे।

धूमावती जयंती 3 जून को, रोग–दोष और दरिद्रता दूर करने के लिए करें ये काम

ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को देवी धूमावती की उत्पत्ति का दिन माना जाता है. इसलिए हर साल इस तिथि पर धूमावती जयंती मनाई जाती है. 10 महाविद्याओं में धूमावती सातवीं देवी हैं, जिनकी पूजा से केतु समस्त कई ग्रहों का दोष दूर होता है और कई प्रकार की समस्याओं से भी मुक्ति मिल जात है. आइये जानते हैं इस वर्ष कब है धूमावती जयंती. पंचांग के मुताबिक इस वर्ष ज्येष्ठ महीने की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि मंगलवार 3 जून को पड़ रही है और इसी दिन धूमावती जयंती मनाई जाएगी. दरअसल अष्टमी तिथि का आरंभ 2 जून रात 08रू34 पर होगा और समापन 3 जून की रात 09रू56 पर होगा. उदयातिथि के मुताबिक 3 जून को ही धूमावती जयंती मनाई जाएगी. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि, इस दिन रवि योग और पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र रहेगा. देवी धूमावती की पूजा के लिए 3 जून 2025 को दोपहर 11रू58 से दोपहर 12रू51 तक का समय शुभ रहेगा. क्योंकि इस समय अभिजीत मुहूर्त रहेगा.धूमावती जयंती पर करें ये उपाय कर्ज मुक्ति के उपायरू घर पर हवन कराने के लिए धूमावती जयंती का दिन शुभ होता है. इस दिन आप नीम की पत्तियां और घी का इस्तेमाल करते हुए घर पर हवन करें. इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी ठीक होती है और कर्ज से भी मुक्ति मिलती है. शत्रुओं से मुक्ति के लिएरू शत्रु से परेशान हैं तो धूमावती जयंती पर घर पर हवन कराने के साथ ही नमक से तीन बार घर की नजर उतारें. इससे उपाय से घर की सारी नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाएगी और शत्रुओं का नाश होगा. परेशानियों से छुटकारा के लिएरू जीवन में छोटी–बड़ी परेशानियों से परेशान रहते है तो धूमावती जयंती पर आपको गुड़ का दान करना चाहिए. इसी के साथ इस दिन कौवों को भोजन कराएं. इससे जीवन में चल रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी.कौन है देवी धूमावतीपौराणिक कथा के अनुसार, एक बार शिव–पार्वती कैलाश पर भ्रमण कर रहे थे, तभी अचानक देवी पार्वती को भूख लगी. शिवजी ने पार्वती को कुछ समय प्रतीक्षा के लिए कहा. लेकिन देवी पार्वती की भूख बढ़ने लगी और इतनी बढ़ गई कि उन्होंने शिव को ही निगल लिया. शिव जी के भीतर विष का प्रभाव है,जिसका असर देवी पार्वती पर भी होने लगा, जिससे पार्वती का शरीर धूएं के समान काला हो गया. कहा जाता है कि देवी पार्वती के इसी विकृत स्वरूप से देवी धूमावती की उत्पत्ति हुई.

योनि मुद्रा करने से शरीर को मिलते हैं ये 8 फायदे

जब बहुत ज्यादा तनाव होता है तो हमारे शरीर में भी कुछ न कुछ दिक्कत होने लगती है. उस वक्त दवाओं से ज्यादा उम्मीद योग और ध्यान करने में हो जाती है. लेकिन एक दिन मेरी योगा ट्रेनर ने कहा– एक बार योनि मुद्रा करके देखिए, अंदर से बदलाव महसूस होगा. उस दिन से मेरी दिनचर्या में यह छोटी सा बदलाव काफी काम आया था. योग में हर मुद्रा का अपना खास महत्व होता है, लेकिन योनि मुद्रा एक ऐसी शक्तिशाली मुद्रा है जो मि. हलाओं और पुरुषों दोनों के लिए लाभकारी मानी जाती है. यह मुद्रा न सिर्फ मानसिक स्पष्टता देती है, बल्कि हार्मोनल बैलेंस, इम्युनिटी और ऊर्जा स्तर को भी सुधारने में मदद करती है. आप शांत जगह पर पद्मासन या सुखासन में बैठ सकते हैंआंखें बंद कर लीजिए और शरीर को रिलेक्स छोड़ दीजिए दोनों हाथों की हथेलियों को पेट के सामने लाएंअब दोनों हाथों के अंगू. ठों और तर्जनी को मिलाएंबाकी की उंगलियां एक–दूसरे से बांध लेंइस मुद्रा में बैठकर गहरी सांस लें और ध्यान केंद्रित करेंकम से कम 10 से 15 मिनट तक इस मुद्रा में रहेंयह मुद्रा मानसिक शांति देती है और मस्तिष्क को रिलैक्स करती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है. हार्मोनल बैलेंस में मददगार महिलाओं के लिए यह विशेष रूप से फायदेमंद है क्योंकि यह हार्मोन को संतुलित करने में मदद करती है.इम्युनिटी को करता है मजबूतनियमित अभ्यास से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार होता है. ध्यान और एकाग्रता बढ़ती हैयह मुद्रा ध्यान की स्थिति को गहरा करती है जिससे मानसिक स्पष्टता मिलती है. थायरॉइड और पीसीओडी में राहत इस मुद्रा से थायरॉइड और पीसीओडी जैसी समस्याओं को नियंत्रित करने में सहायक होता है. मासिक धर्म की अनियमितता में राहतयह मुद्रा महिलाओं के पीरियड्स को नियमित करने में मदद करती है. त्वचा के लिए लाभदायक है नियमित अभ्यास से त्वचा चमकदार बनती है और बढ़ती उम्र के लक्षण धीमे हो जाते हैं. आंतरिक ऊर्जा को जाग्रत करती है योनि मुद्रा शरीर की अंदर की शक्ति को जाग्रत कर ऊर्जा का संचार करती है.

जीवन साथी का अच्छा मूड ही खुशहाली की गारंटी, शोध में दावा– सेहत पर भी पड़ता है असर

अब तो रिसर्च ने भी साबित कर दिया कि किसी भी घर की खुशहाली तभी संभव है जब घर की मालकिन या मालिक खुश हों. जर्नल साइकोन्यूरोएंडोक्राइनोलॉजी में छपी एक हालिया स्टडी में पाया गया कि जीवन साथी का अच्छा मूड ही खुशहाली की गा. रंटी है. लेकिन यह ये होता कैसे है? दरअसल, शोधकर्ताओं ने जर्मनी और कनाडा के 321 जोड़ों के आंकड़ों का अध्ययन किया और पाया कि जब किसी का साथी ज्यादा खुश महसूस करता है , तो इससे उनके कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर घट जाता है. बुजुर्गों में और भी ज्यादा देखा गया असर यह असर खासकर उन बुजुर्गों में और भी ज्यादा देखा गया , जो अपने लंबे खुशहाल जीवन से खुश थे. ध्यान देने वाली बात यह रही कि इसका उलटा होता नहीं दिखा. मतलब अगर कपल में से किसी एक का भी मूड खराब है तो इसका जीवन साथी के कोर्टिसोल स्तर पर कोई असर नहीं पड़ता. अध्ययन कम उम्र के दंपत्तियों पर नहीं बल्कि परिपक्व जीवन साथियों पर हुआ. ये वो थे जिनकी उम्र 56 से 87 के बीच थी और उनके रिश्तों की औसत अवधि 43.97 साल थी, यानी करीब 44 साल तक ये लोग साथ–साथ थे.उम्र बढ़ने के साथ अपने मूड को कंट्रोल करना मुश्किलनिष्कर्षों से पता चलता है कि लंबे समय तक प्रतिबद्ध रिश्तों में रहने वाले बुजुर्ग जोड़े एक–दूसरे को नकारात्मक भावनाओं के प्रभाव से बचाने के तरीके खोज लेते हैं. यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि लोगों की उम्र बढ़ने के साथ अपने मूड को कंट्रोल करना अक्सर मुश्किल लगता है. तनावपूर्ण घटना के बाद बुजुर्गों में कोर्टिसोल लंबे समय तक बढ़ा रहता है और एजिंग ब्रेन इसे रो. कने में काफी संघर्ष करता है.ये परिणाम उम्र से संबंधित तनाव के लिए एक मना. `वैज्ञानिक बफर के रूप में कार्य कर सकता है.वैसे यह पहली बार नहीं है जब विज्ञान ने एक खुशमिजाज साथी को लेकर स्टडी पेश की हो. 2016 के एक अध्ययन में भी ऐसा ही कुछ पाया गया. ऐसा ही कुछ, 85 साल लंबे हार्वर्ड शोध प्रोजेक्ट में सामने आया. स्पष्ट हुआ कि खुशहाल विवाह लंबे, स्वस्थ जीवन की कुंजी होता है.

काम की टेंशन में पार्टनर को नहीं दे पा रहे वक्त, जानें रिलेशनशिप में कितना अहम है क्वा. लिटी टाइम?

अब तुम्हारे पास मेरे लिए टाइम ही नहीं हैश...अगर ये बात आपके पार्टनर ने भी आपसे कही है, तो रुकिए३ ये सिर्फ शिकायत नहीं, आपके रिलेशनशिप के लिए एक अलार्म है. आज की भागदौड़ वाली लाइफ में काम का टेंशन इतना बढ़ गया है कि हम सबसे जरूरी चीज, यानी अपने रिश्ते को वक्त देना ही भूल जाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि जितना जरूरी आपका काम है, उतना ही जरूरी है पार्टनर के साथ बिताया गया क्वालिटी टाइम ये रिलेशनशिप को नई एनर्जी देने का काम करता है. चलिए जानते हैं इसकी अहमियत...रिलेशनशिप की असली श्फ्यूलश है साथ में बिताया समयरोज–रोज ऑफिस, मीटिंग्स, डेडलाइंस और टारगेट के बीच जब आप अपने रिश्ते को वक्त नहीं देते, तो वो धीरे–धीरे ठंडा पड़ने लगता है. रिसर्च कहती है एक हैप्पी रिलेशनशिप (त्म. संजपवदेीपच) का सबसे जरूरी हिस्सा है. ..इससे रिश्ते में मजबूती आती है और वह एक खुशनुमा रास्ते पर चलता रहता है. क्वालिटी टाइम मतलब क्या हैएक्सपर्ट्स के अनुसार, सिर्फ साथ बैठकर फोन चलाना क्वालिटी टाइम नहीं है। इसका मतलब है बिना फोन के एक दूसरे से बातें करना, साथ डिनर करना, वॉक पर जाना, पुरानी यादें ताजा करना,साथ में कुछ नया एक्सप्लोर करने जैसी एक्टिवटीज.जब पार्टनर को लगे कि आप उनके लिए इम्पॉर्टेंट नहीं हैं, तो रिश्ते में इमोशनल गैप आने लगता है. यही गैप बढ़ते–बढ़ते बाद में झगड़े, इग्नोरेंस और ब्रेकअप की वजह बन सकता है.स्मॉल मूमेंट्स, बिग कने. क्शनरिलेशनशिप एक्सपर्ट्स कहते हैं कि, आपके पास बहुत ज्यादा टाइम नहीं भी है, तो भी कोई बात नहीं. हफ्ते में 2–3 बार 20–30 मिनट का श्डेडिकेटेड टाइमश भी काफी होता है, बस उस वक्त आपका पूरा फोकस सिर्फ और सिर्फ आपके पार्टनर पर होना चाहिए. सुबह का गुड मॉर्निंग, लंच टाइम पर छोटा सा मैसेज, ऑफिस से लौटते वक्त उनका पसंदीदा स्नैक, बेवजह एक प्यार भरा हग (भ्नह) जैसे छोटे–छोटे जेस्चर भी क्वालिटी टाइम का हिस्सा होते हैं.क्वालिटी टाइम के फायदेरिलेशनशिप में मजबूती स्ट्रेस कम होगा पार्टनर के साथ बॉन्ड और गहरा होगा सबसे जरूरी एक सच्चा साथी महसूस होगा

आज ही नहीं अपनाईं 5 आदतें, तो शुद्ध वातावरण को तरसेंगी आने वाली पीढ़ियां

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस साल की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हटाना है। पर्यावरण को बचाने के लिए आपको ही आगे आना होगा। आपकी कुछ आदतें वातावरण को शुद्ध कर सकती हैं। आइए जानते हैं विस्तार से–हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।इस दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया जाता है।मानव और पर्यावरण के बीच का संबंध बहुत गहरा होता है।पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण संरक्षण हमारे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में जरूरी कदम है। इस दिन को सेलिब्रेट करने का मकसद केवल इंसान और पर्यावरण के बीच गहरे संबंध को समझाना है, ताकि लोग अपनी जिम्मेदारियों को समझ सकें। हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस साल की थीम श्प्लास्टिक प्रदूषण को हटानाश (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) रखी गई है। पर्यावरण को बचाने के लिए हमें ही अपनी आदतों में सुधार करना हा. `गा। आज का हमारा लेख भी इसी विषय पर है। आज हम आपको बताएंगे कि आप अपनी डेली कि कौन सी आदतों में बदलाव कर सकते हैं ताकि पर्यावरण का संरक्षण हो सके। आइए जानते हैं विस्तार से पर्यावरण को बचाने का सबसे आसान और कारगर तरीका है कि जितना हो सके पौधरोपण करें। पेड़–पौधे नेचर को संवारने का काम करते हैं। ये कार्बनडाइऑक्साइड को एब्जॉर्ब करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। इससे हमारी सेहत को भी जबरदस्त फायदा होता है। ऐसे में आपको एक गांठ बांध लेना चाहिए कि हर महीने आपको दो से तीन पौधे तो लगाने ही हैं। आप अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भी जागरुक कर सकते हैं।अगर आप पर्यावरण को बचाना चाहते हैं तो आपको गीला और सूखा कूड़ा अलग रखना चाहिए। आप गीले कूड़े को पौधों में डाल सकते हें। इससे वो कुछ दिन बाद खाद का रूप ले लेगा। वहीं चाय बनाने के बाद चाय की पत्ती को भी अच्छे से धोकर पौधों में डाला जा सकता है। ये पेड़ पौधों की उम्र को बढ़ाते हैं।

लोगों के बीच बढ़ रहा बेबीमून का ट्रेंड

शादी के बाद हनीमून का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। लोग अपने पार्टनर संग वक्त बिताने, एक दूसरे को समझने और शादी –समारोह की थकावट दूर करने के लिए घूमने जाते हैं जिसे हनीमून कहते हैं लेकिन अब एक नया ट्रेंड भी कपल के बीच काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसका नाम है बेबीमून। शब्द बेबी और हनीमून का मिश्रण है। इसका मतलब है बच्चे के जन्म से पहले माता–पिता द्वारा एक छोटा सा ट्रिप या छुट्टियां बिताना। यह कपल के लिए दूसरे हनीमून की तरह ही होता है लेकिन डिलीवरी से पहले कपल के लिए सेलिब्रेशन का एक खास मौका होता है। इस दौरान महिला को आरामदायक और रोमांटिक माहौल देकर उसे खास महसूस कराया जाता है। बेबीमून कपल के लिए एक खूबसूरत अनुभव है जो माता पिता बनने के उनके भावनात्मक सफर को और खास बना देता है। बेबीमून एक ऐसी छुट्टी होती है जिसे कपल्स बच्चे के आने से पहले रिलैक्स करने, एक–दूसरे के साथ अकेले खास वक्त बिताने और आने वाले जीवन में बदलावों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने के लिए लेते हैं। यह बच्चे के जन्म से पहले कपल का सेकेंड हनीमून जैसा होता है।बेबीमून व्यस्त और कामकाजी जीवन से ब्रेक का मौका देता है। आजकल की जीवनशैली में लोग हर वक्त व्यस्त रहते हैं। ऐसे में बेबीमून कपल के लिए एक ब्रेक की तरह होता है। इस छुट्टियों में आप माता–पिता बनने की तैयारी कर सकते हैं। यह वह समय होता है जिसे वह एक दूसरे के साथ बिताकर भावनात्मक रूप से मजबूत होते हैं। बच्चे के आने के बाद जीवन काफी व्यस्त हो जाता है। कपल की लाइफ में और रिश्ते में कई बड़े बदलाव होते हैं। ऐसे में बेबीमून उन खास पलों को संजोने या यादगार पल बनाने का मौका देता है। बेबीमून पर जाने की योजना बना रहे हैं तो गर्भवती के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए दूसरी तिमाही के दौरान यात्रा पर जाएं। इस अवधि में महिला का स्वास्थ्य अपेक्षाकृत बेहतर होता है।। इस दौरान गर्भवती प्रेगनेंसी के 14 से 28 सप्ताह के बीच बेहतर महसूस करती हैं। वहीं गर्भावस्था के 37वें सप्ताह में यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है।अगर आप भी ट्रेंड को अपनाते हुए बेबीमून पर जाने की योजना बना रहे हैं तो डॉक्चर से सलाह जरूर लें। गर्भवती के स्वास्थ्य की स्थिति को ध्यान में रखकर ही यात्रा करें। प्रयास करें कि बहुत लंबा या थकाने वाला ट्रिप प्लान न करें। ऐसी जगह जाएं जहां अस्पताल और मेडिकल फैसिलिटी नजदीक हों। मस्ती में अपनी सेहत का ख्याल रखना न भूलें। स्वास्थ्यवर्धक खाना और आराम दोनों जरूरी हैं।

सूचना
विज्ञापन एवं विज्ञप्ति के लिए सम्पर्क करें
कार्यालयः सरोज नगर गली न. 5, क्वार्सी बाईपास रोड, अलीगढ़
हैल्पलाइन न.
8218049162,9870916612